संपादकीय परिपाटियाँ

बिशप*
GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.‡
जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



लिखते हुए संत जेरोम, कारावाज्जो द्वारा (1605–1606), Galleria Borghese (बोर्गेसे गैलरी), रोम। खोपड़ी मेमेंटो मोरी (मृत्यु का स्मरण) है: मृत्यु किसी भी घड़ी आ सकती है, और इसलिए मन फिराने का बुलावा है: “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।” (मत्ती 4:17, IRV)।

सार्वजनिक डोमेन।

स्वर्ग राज्य का शास्त्री के लेखन नीचे दी गई परिपाटियों का पालन करते हैं। उन्हें यहाँ इसलिए बताया गया है कि प्रत्येक पाठक जान सके कि पवित्रशास्त्र और अन्य प्रामाणिक स्रोतों को किस प्रकार उद्धृत किया जाता है, कुछ विशेष स्रोतों का हवाला क्यों दिया जाता है, और इन पृष्ठों पर प्रयुक्त चिह्नों और रूपों का क्या अर्थ है।

पवित्रशास्त्र

पवित्रशास्त्र को कभी बदला नहीं जाता। पवित्रशास्त्र को शब्दशः उद्धृत किया जाता है, ठीक वैसे ही जैसे वह उद्धृत संस्करण में छपा है, और उसे किसी भी परिस्थिति में, किसी भी कारण से, कभी बदला नहीं जाता। कोई शब्द, अक्षर या विराम-चिह्न न जोड़ा जाता है, न हटाया जाता है, न बदला जाता है, और उसके भीतर ज़ोर देने या मुद्रण-सज्जा का कोई चिह्न नहीं लगाया जाता। जहाँ छपे हुए पाठ में व्याकरण, वर्तनी या छपाई की कोई त्रुटि प्रतीत होती है, वहाँ भी उसे ठीक वैसा ही रहने दिया जाता है। पवित्रशास्त्र पवित्र है, और उसे सुधारने के बहाने उसके साथ कुछ भी नहीं किया जाता। जहाँ बिशप किसी खंड पर टिप्पणी करना चाहते हैं, वहाँ वे उद्धरण के बाहर, अपने शब्दों में ऐसा करते हैं।

प्रयुक्त बाइबल। अंग्रेज़ी में पवित्रशास्त्र को किंग जेम्स वर्ज़न (King James Version; 1769 का मानक पाठ, अपोक्रिफा सहित) से उद्धृत किया जाता है। अन्य प्रत्येक भाषा में पवित्रशास्त्र को उसी भाषा में, जिसमें पाठक पढ़ रहा है, पवित्र बाइबल के किसी प्रतिष्ठित और प्रकाशित संस्करण से उद्धृत किया जाता है; उसका अंग्रेज़ी से कभी नया अनुवाद नहीं किया जाता। जहाँ भी संभव हो, किसी मान्यता-प्राप्त बाइबल सोसाइटी के आधिकारिक संस्करण से उद्धृत करने का हर प्रयास किया गया है। सर्वत्र सार्वजनिक डोमेन के संस्करणों का उपयोग किया गया है, मुख्यतः कॉपीराइट के प्रश्नों से और कॉपीराइट-युक्त संस्करण के उपयोग की स्वीकृति की प्रतीक्षा से बचने के लिए। फिर भी, कुछ ऐसे मामलों में जहाँ यह विवेकपूर्ण और आवश्यक था, उस भाषा के लिए उत्तरदायी बाइबल सोसाइटी से अनुमति माँगी गई है। जो संस्करण अब भी कॉपीराइट के अधीन हैं, उनका उपयोग उनके प्रकाशकों की अनुमति से किया जाता है, चाहे वह अनुमति सीधे दी गई हो या प्रकाशक के प्रकाशित लाइसेंस के माध्यम से, अथवा, जहाँ विधि अनुमति देती है, उचित उपयोग (fair use) के रूप में।

संस्करण का नाम दिया जाता है। पवित्रशास्त्र के प्रत्येक उद्धरण के साथ उस संस्करण का नाम दिया जाता है जिससे वह उद्धृत है, उदाहरण के लिए अंग्रेज़ी में "(KJV)", जर्मन में "(Schlachter 1951)", या हिंदी में "(IRV)"।

पदों की संख्या। कुछ बाइबल कुछ पदों की संख्या भिन्न रूप से देती हैं, विशेषकर भजन संहिता में। प्रत्येक भाषा अपनी बाइबल की संख्या का हवाला देती है, इसलिए किसी संदर्भ में उसी खंड के अंग्रेज़ी संदर्भ से थोड़ा अंतर हो सकता है।

मसीह के वचन। मसीह के वचन, उनके उद्धरण-चिह्नों सहित, लाल रंग में छापे जाते हैं, जैसा बिशप उन्हें निर्धारित करते हैं। कुछ खंडों में यह विवादित है कि मसीह बोल रहे हैं या सुसमाचार-लेखक, जैसे यूहन्ना 3:16 में; ऐसे खंड

काले रंग में ही रहने दिए जाते हैं।

भिन्न कैनन की पुस्तकें। सभी कलीसियाएँ एक ही पुस्तकों को पवित्रशास्त्र के रूप में ग्रहण नहीं करतीं। कोई पुस्तक जिसे कुछ कलीसियाएँ ग्रहण करती हैं और अन्य नहीं करतीं, जैसे अपोक्रिफा की पुस्तकें या इथियोपियाई ऑर्थोडॉक्स तेवाहेदो कलीसिया के कैनन की पुस्तकें, उद्धृत की जा सकती है, और उसका उद्धरण उसकी कैनन-संबंधी स्थिति पर किसी निर्णय का संकेत नहीं देता।

प्रामाणिकता का क्रम

स्रोतों को प्रामाणिकता के निम्नलिखित क्रम के अनुसार, सर्वोच्च से निम्नतम तक, तौला जाता है। प्रत्येक लेखक या लेख को उस सर्वोच्च श्रेणी में रखा जाता है जिसके वह योग्य है; किसी विश्वास-वचन को उस परिषद के साथ रखा जाता है जिसने उसे अपनाया, सिवाय इसके कि प्रेरितों का विश्वास-वचन नौवीं श्रेणी में और अथानासियुस का विश्वास-वचन ग्यारहवीं श्रेणी में रखा जाता है।

1. **मसीह के वचन**, जैसे वे पवित्रशास्त्र में कहीं भी लिखे हैं।
2. **प्रेरितिक लेख**: मत्ती; यूहन्ना; 1, 2 और 3 यूहन्ना; प्रकाशितवाक्य; पौलुस की तेरह पत्रियाँ; और 1 और 2 पतरस।
3. **नये नियम के अन्य लेख**: मरकुस, लूका, प्रेरितों के काम, इब्रानियों, याकूब और यहूदा।
4. **पुराना नियम**, उस अपोक्रिफा सहित जो 1611 के किंग जेम्स वर्ज़न में छपा था।
5. **प्रेरितिक पिता**, प्रेरितों के बाद की पीढ़ी के (लगभग 95–150 ई.)।
6. **नीकिया-पूर्व पिता**, नीकिया की परिषद (325 ई.) से पहले के।
7. **नीकिया और नीकिया-उत्तर पिता**, मरुभूमि के पिताओं सहित।
8. **सात विश्वव्यापी परिषदें**, जिन्हें पूर्व और पश्चिम दोनों ने ग्रहण किया है, उन विश्वास-वचनों और परिभाषाओं सहित जिन्हें प्रत्येक ने अपनाया।
9. **परवर्ती परिषदें**, जिन्हें पूर्व और पश्चिम दोनों ने ग्रहण नहीं किया।
10. **संत**: किसी भी ऐसे व्यक्ति के लेख जिसे कलीसिया ने, पूर्व में या पश्चिम में, संत के रूप में मान्यता दी है और जो किसी उच्चतर श्रेणी में नहीं रखा गया है।
11. **विश्वास-अंगीकार, धर्मशिक्षाएँ, और पोप तथा पैट्रिआर्क के दस्तावेज़।**
12. **उपासना-विधि के ग्रंथ**, जैसे प्राचीन उपासना-विधियाँ और Book of Common Prayer (सामान्य प्रार्थना की पुस्तक)।
13. **ऐतिहासिक मसीही लेखक जिन्हें संत घोषित नहीं किया गया।**
14. **प्राचीन कैनन-बाह्य और गैर-मसीही स्रोत**, जैसे छद्मलेख (स्यूडेपिग्राफा), मृत सागर के हस्तलेख, जोसीफस, और यूनानी-रोमी इतिहासकार।

15. **आधुनिक विद्वत्ता।**
16. **संदर्भ-ग्रंथ**, जैसे शब्दकोश और शब्दानुक्रमणिकाएँ, जो प्रामाणिक स्रोतों के रूप में नहीं, बल्कि साधनों के रूप में काम आते हैं।

स्रोतों का चयन

किसी समर्थन का संकेत नहीं। किसी विश्वपत्र का, या किसी एक संप्रदाय के लेखक की किसी भी कृति का, या किसी एक कलीसिया की कृति का, दूसरी के स्थान पर, हवाला देना न उस संप्रदाय या कलीसिया के समर्थन का संकेत देता है, न किसी भी प्रकार के पक्षपात का। कोई खंड केवल इसलिए चुना जाता है कि बिशप ने उस विशेष स्रोत के उस विशेष खंड को विचाराधीन विषय पर विशेष रूप से शिक्षाप्रद पाया है, और किसी अन्य कारण से नहीं। किसी भी संप्रदाय को आगे बढ़ाना या उसमें बाधा डालना उनका उद्देश्य नहीं है।

सत्य वहीं है जहाँ वह पाया जाता है। बिशप का मत है कि सत्य वहीं है जहाँ कोई उसे पाता है। इसलिए वे लौकिक स्रोतों को, और उन कृतियों को भी जो कैनन-बाह्य हैं या जिन पर कलीसियाओं के बीच अब भी विवाद है, उद्धृत कर सकते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं कि लेखक के रूप में उन्होंने उद्धृत खंड को विशेष रूप से शिक्षाप्रद पाया है, और स्वयं को आश्वस्त कर लिया है कि जो वे कहते हैं वह सत्य है।

उद्धरण और संदर्भ

उद्धरण शब्दशः होते हैं। उद्धरण-चिह्नों के भीतर के शब्द सदा उद्धृत स्रोत के ठीक वही शब्द होते हैं। किसी स्रोत का भावानुवाद कभी इस प्रकार नहीं दिया जाता मानो वह उद्धरण हो। जहाँ किसी स्रोत के ठीक-ठीक शब्दों की पुष्टि नहीं की जा सकती, वहाँ उसे उद्धृत नहीं किया जाता।

लोप-चिह्न और कोष्ठक। लोप-चिह्न (...) दर्शाता है कि उद्धरण मूल के किसी वाक्य के बीच से आरंभ या समाप्त होता है, या कि कुछ शब्द छोड़ दिए गए हैं। किसी उद्धरण के भीतर बड़े कोष्ठकों में दिए गए शब्द ठीक वैसे ही दिए जाते हैं जैसे वे उद्धृत संस्करण में हैं। पवित्रशास्त्र के किसी उद्धरण में कभी कुछ नहीं जोड़ा जाता।

अंत-टिप्पणियाँ पूरा पाठ देती हैं। किसी लेख में उद्धृत प्रत्येक प्रामाणिक स्रोत उसकी अंत-टिप्पणियों में पूरा, स्रोत के ठीक शब्दों में, दिया जाता है, ताकि पाठक उसके केवल एक संदर्भ के स्थान पर स्वयं उस स्रोत को पढ़ सके।

संदर्भ। जहाँ किसी विचलन का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो उसे छोड़कर, संदर्भ और स्वरूपण Chicago Manual of Style (शिकागो शैली-पुस्तिका) का पालन करते हैं, जो यहाँ प्रकाशित प्रकार के धर्मशास्त्रीय और ऐतिहासिक लेखन के लिए सामान्यतः स्वीकृत पद्धति है। स्वर्ग राज्य का शास्त्री के लेखन जान-बूझकर, और निम्नलिखित कारणों से, इन बातों में उससे भिन्न हैं:

1. **परमेश्वर की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम बड़े अक्षर से आरंभ किए जाते हैं** (He, Him, His), और उनके साथ वे शब्द भी जो उनसे संबंधित हैं, जैसे "His right hand" (उनका दाहिना हाथ)। शिकागो सामान्यतः उन्हें छोटे अक्षरों में रखता है। यहाँ श्रद्धा के कारण उन्हें बड़े अक्षर से आरंभ किया जाता है। (यह नियम उन भाषाओं के पृष्ठों पर लागू होता है जो बड़े अक्षरों वाली लिपियों में लिखी जाती हैं।)
2. **आंशिक उद्धरण अपने लोप-चिह्न बनाए रखते हैं।** शिकागो सामान्यतः उद्धरण के आरंभ या अंत में लोप-चिह्न छोड़ देता है। यहाँ उसे रखा जाता है, ताकि पाठक सदा जाने कि कब कोई उद्धरण, और सबसे बढ़कर पवित्रशास्त्र का कोई उद्धरण, पूरा वाक्य नहीं देता।
3. **अंत-टिप्पणियाँ प्रत्येक उद्धृत प्रामाणिक स्रोत का पूरा पाठ देती हैं,** केवल संदर्भ नहीं। यह इसलिए किया जाता है कि पाठक स्वयं उस स्रोत को पढ़ सके।
4. **मसीह के वचन लाल रंग में छापे जाते हैं,** उनके उद्धरण-चिह्नों सहित, लाल-अक्षर वाली बाइबलों की पुरानी प्रथा के अनुसार, ताकि प्रभु के वचन अलग दिखाई दें।
5. **यीशु की ओर संकेत करने वाला शब्द "Lord" (प्रभु) छोटे बड़े अक्षरों (small capitals) में रखा जाता है** बिशप के अपने गद्य में, किंतु पवित्रशास्त्र के भीतर कभी नहीं, श्रद्धा के कारण। (यह नियम उन भाषाओं के पृष्ठों पर लागू होता है जो बड़े अक्षरों वाली लिपियों में लिखी जाती हैं।)

अन्य भाषाओं में कलीसिया के पिता। जहाँ कलीसिया के किसी पिता को किसी अंग्रेज़ी संस्करण से उद्धृत किया जाता है, वहाँ किसी अन्य भाषा के पृष्ठ पर वह उद्धरण उसी अंग्रेज़ी संस्करण से अनूदित होता है और ऐसा अंकित किया जाता है, उदाहरण के लिए "(ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)"।

भाषा और शैली

श्रद्धासूचक बड़े अक्षर। परमेश्वर की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम बड़े अक्षर से आरंभ किए जाते हैं (He, Him, His), और वैसे ही वे शब्द भी जो उसी अर्थ में उनसे संबंधित हैं, जैसे जब कहा जाता है कि मसीह उनके दाहिने हाथ बैठे हैं। यह नियम उन भाषाओं के पृष्ठों पर लागू होता है जो बड़े अक्षरों वाली लिपियों में लिखी जाती हैं; देवनागरी में बड़े और छोटे अक्षरों का भेद नहीं है।

छोटे बड़े अक्षरों में "प्रभु"। बिशप के अपने गद्य में शब्द "Lord" (प्रभु), जब वह यीशु मसीह की ओर संकेत करता है, बड़े अक्षरों में लिखी जाने वाली प्रत्येक भाषा में छोटे बड़े अक्षरों (small capitals) में रखा जाता है। पवित्रशास्त्र के भीतर ऐसा कभी नहीं किया जाता। देवनागरी में बड़े अक्षर नहीं होते, इसलिए हिंदी पृष्ठों पर "प्रभु" सामान्य रूप में लिखा जाता है।

अन्य बड़े अक्षर। बड़े अक्षरों में लिखी जाने वाली भाषाओं में "Kingdom" (परमेश्वर का और स्वर्ग का राज्य), "Kingdom Scribe" (स्वर्ग राज्य का शास्त्री), "Scripture" (पवित्रशास्त्र), "the Church" (अर्थात मसीह की पूरी देह, कलीसिया) और "the Holy Spirit" (पवित्र आत्मा) बड़े अक्षर से आरंभ किए जाते हैं।

वर्तनी और विराम-चिह्न। अंग्रेज़ी पृष्ठ अमेरिकी वर्तनी का उपयोग करते हैं। अर्धविरामों से अलग की गई किसी शृंखला में अंतिम मद "; और" से आरंभ होता है।

उपाधियाँ। उपाधियाँ संबोधन के रूपों के रूप में दी जाती हैं, पद के दावों के रूप में नहीं, और उन्हें संयमित रखा जाता है।

"The Most Reverend" (इस हिंदी वेबसाइट पर "बिशप") वह संबोधन है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी बिशप के लिए प्रचलित है। यह पद से संबंधित है, व्यक्ति से नहीं, और इसका प्रयोग शिष्टाचार के रूप में किया जाता है, किसी दावा किए गए सम्मान के रूप में नहीं। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रयुक्त संबोधनों के विषय में एक कैथोलिक मार्गदर्शिका किसी बिशप को पत्र लिखने के लिए यह रूप देती है: "His Excellency, / The Most Reverend (full name)."[1]

D.D. बिशप बायर्स को प्राप्त डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी की उपाधि honoris causa प्रदान की गई थी, अर्थात् किसी अध्ययन-पाठ्यक्रम को पूरा करने पर नहीं, बल्कि सम्मान के रूप में, जैसा कि कलीसिया में कभी-कभी किया जाता है।[2] इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण रेवरेंड डॉक्टर बिली ग्राहम (Billy Graham) हैं। अध्ययन द्वारा अर्जित उनकी सर्वोच्च उपाधि बैचलर ऑफ़ आर्ट्स थी,[3] और 1948 में उन्हें मानद डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी की उपाधि मिली।[4] उन्हें सामान्यतः "Dr. Graham" कहकर संबोधित किया जाता था।[5] मानद डॉक्टरेट पाने वाले अन्य लोगों में ये सम्मिलित हैं: रेवरेंड हैरी ए. आयरनसाइड (Harry A. Ironside), जिनकी स्कूली शिक्षा प्राथमिक विद्यालय तक ही हुई थी;[6] रेवरेंड जी. कैंपबेल मॉर्गन (G. Campbell Morgan);[7] सुसमाचार-प्रचारक बिली संडे (Billy Sunday);[8] राइट रेवरेंड रोनाल्ड ओवेन हॉल (Ronald Owen Hall), हांगकांग और दक्षिण चीन के बिशप;[9] सी. एस. लुईस (C. S. Lewis);[10] रेवरेंड ए. डब्ल्यू. टोज़र (A. W. Tozer);[11] और कलकत्ता की संत टेरेसा।[12]

नाम। संतों, पोपों, पैट्रिआर्कों और अन्य बिशपों के नाम उस रूप में दिए जाते हैं जो उनकी अपनी कलीसिया में पारंपरिक है या पाठक की भाषा में प्रचलित है। चुना गया रूप कलीसियाओं के बीच किसी पक्षपात का संकेत नहीं देता।

अनुवाद। अंग्रेज़ी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के पृष्ठ कृत्रिम बुद्धि की सहायता से अनूदित किए जाते हैं, और अंग्रेज़ी पाठ ही प्रामाणिक पाठ है। देखें अनुवादों और अधिकार के विषय में एक टिप्पणी।

वेबसाइट

चित्र। केवल वही चित्र दिखाए जाते हैं जो सार्वजनिक डोमेन में हैं या ऐसे उपयोग के लिए मुक्त रूप से लाइसेंस-प्राप्त हैं, और प्रत्येक के साथ परिचय-पंक्ति और श्रेय दिया जाता है।

क्रमांक, तिथियाँ और संशोधन। प्रकाशनों को क्रमांक और तिथि दी जाती है। स्थायी पृष्ठ अपने स्थान पर ही संशोधित किए जा सकते हैं, और किसी संशोधित पृष्ठ पर उसके अंतिम संशोधन की तिथि दिखाई जा सकती है, ताकि पाठक जान सके कि वह कौन-सा संस्करण पढ़ रहा है।

सुधार। जो पाठक कोई त्रुटि पाएँ, और सबसे बढ़कर पवित्रशास्त्र के किसी उद्धरण में कोई त्रुटि, उनसे अनुरोध है कि वे मुखपृष्ठ पर दिए गए पते पर लिखें। त्रुटियाँ सुधारी जाती हैं।

संक्षेप

KJV	किंग जेम्स वर्ज़न (1769 का मानक पाठ)
ANF	Ante-Nicene Fathers (नीकिया-पूर्व पिता), संपादक Alexander Roberts और James Donaldson, जिसके बाद खंड-संख्या दी जाती है
NPNF2	Nicene and Post-Nicene Fathers (नीकिया और नीकिया-उत्तर पिता), द्वितीय शृंखला, संपादक Philip Schaff और Henry Wace, जिसके बाद खंड-संख्या दी जाती है
Easton	Burton Scott Easton, The Apostolic Tradition of Hippolytus (1934)
ई.	ईस्वी; लातीनी Anno Domini, हमारे प्रभु के वर्ष में
लगभग	लातीनी circa, करीब

अंतिम संशोधन: 10 अक्टूबर 2026

टिप्पणियाँ

1 Michael Andrews, "How to Address Church Officials, Bishops, Priests," Adoremus Bulletin, 15 अगस्त 2009, https://adoremus.org/2009/08/how-to-address-church-officials-bishops-priests/। पृष्ठ पर लिखा है: "संयुक्त राज्य अमेरिका में पत्राचार और बोलचाल के लिए प्रयुक्त संबोधन नीचे दिए गए हैं, साथ में कलीसिया के अधिकारियों के कुछ डाक-पते भी।" (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

2 फ्रांसिस, Veritatis Gaudium, Apostolic Constitution on Ecclesiastical Universities and Faculties (8 दिसंबर 2017), अनुच्छेद 51: "An honorary Doctorate can be conferred for special scientific or cultural merit in promoting the ecclesiastical sciences" ("कलीसियाई विद्याओं को बढ़ावा देने में विशेष वैज्ञानिक या सांस्कृतिक योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट प्रदान की जा सकती है" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://www.vatican.va/content/francesco/en/apost_constitutions/documents/papa-francesco_costituzione-ap_20171208_veritatis-gaudium.html।

3 Wheaton Archives & Special Collections, “Billy Graham Resources,” Wheaton College, 10 अक्टूबर 2026 को देखा गया: “Graham matriculated at Wheaton in 1940 and graduated in 1943 with a BA in anthropology” (“ग्राहम ने 1940 में व्हीटन में प्रवेश लिया और 1943 में मानवशास्त्र में बी.ए. की उपाधि के साथ स्नातक हुए” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://www.wheaton.edu/about-wheaton/museums-library-and-collections/wheaton-archives-and-special-collections/research/billy-graham-resources।

4 Wheaton Archives & Special Collections, “Select Chronology,” The Evangelism & Missions Archives, Wheaton College, अंतिम अद्यतन 2 जून 2026: “King’s College commencement, received honorary Doctor of Divinity degree” (“किंग्स कॉलेज का दीक्षांत समारोह, मानद डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी की उपाधि प्राप्त की” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), New Castle, DE, 7 जून 1948, https://www.wheaton.edu/__data/assets/file/0013/30370/Chronology-1934-2018.pdf।

5 David Van Biema, “Dr. Billy Graham: A Purposeful Life, An Indelible Legacy,” Guideposts, [2018?], 10 अक्टूबर 2026 को देखा गया: “The Reverend Dr. Billy Graham, quite possibly the most influential and admired religious leader of the 20th century, passed away on Feb. 21, at the age of 99” (“रेवरेंड डॉ. बिली ग्राहम, जो संभवतः 20वीं शताब्दी के सबसे प्रभावशाली और सर्वाधिक सम्मानित धार्मिक अगुवे थे, 21 फ़रवरी को 99 वर्ष की आयु में चल बसे” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://guideposts.org/articles/prayer/inspirational-prayers/dr-billy-graham-a-purposeful-life-an-indelible-legacy/। यह भी देखें: Blake Killingsworth, “DBU Celebrates the Life of Billy Graham,” Dallas Baptist University, 21 फ़रवरी 2018: “DBU presented its first honorary doctorate to Dr. Billy Graham during a special ceremony held on the DBU campus” (“DBU ने DBU परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह में डॉ. बिली ग्राहम को अपनी पहली मानद डॉक्टरेट प्रदान की” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://www.dbu.edu/news/2018/02/dbu-celebrates-the-life-of-billy-graham.html; Erin Branham, “A Personal Memory of Dr. Billy Graham,” BRIGHT-FM, 21 फ़रवरी 2018: “Dr. Graham invited many millions of people to encounter Jesus in a personal way” (“डॉ. ग्राहम ने लाखों-करोड़ों लोगों को व्यक्तिगत रूप से यीशु से मिलने के लिए आमंत्रित किया” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://www.brightfm.com/shine/shine-daily/a-personal-memory-of-dr-billy-graham/; और Frank J. Beard, “Reflections on the life of Rev. Dr. Billy Graham,” Illinois Great Rivers Conference, The United Methodist Church, 1 मार्च 2018: “Dr. Graham received many awards, honorary degrees, and citations during his long life of 99 years” (“डॉ. ग्राहम को 99 वर्ष के अपने लंबे जीवन में अनेक पुरस्कार, मानद उपाधियाँ और प्रशस्तियाँ मिलीं” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://igrc-www.brtsite.com/blogpostsdetail/11047520।

6 “Author Biography,” Plymouth Brethren & Other Ministries: “Though his classes stopped with grammar school…” (“यद्यपि उनकी पढ़ाई प्राथमिक विद्यालय पर ही रुक गई…” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); “Wheaton College awarding an honorary Litt.D. in 1930 and Bob Jones University an honorary D.D. in 1942” (“1930 में व्हीटन कॉलेज द्वारा मानद Litt.D. और 1942 में बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी द्वारा मानद D.D. प्रदान किया जाना” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://plymouthbrethren.org/node/5488।

7 “The G. Campbell Morgan Collection,” Learning Commons, Chicago Theological Seminary: “Morgan received his Doctor of Divinity degree from Chicago Theological Seminary in 1902” (“मॉर्गन ने 1902 में शिकागो थियोलॉजिकल सेमिनरी से डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी की उपाधि प्राप्त की” – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://ctslibrary.org/collections/Campbell_Morgan/intro.html।

8 Robert P. Muhlbach, “Billy Sunday, Evangelist,” Baseball Research Journal (Society for American Baseball Research), 1980: संडे: “had numerous honorary doctor of divinity degrees conferred upon him” (“उन्हें अनेक मानद

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी उपाधियाँ प्रदान की गई थीं" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://sabr.org/journal/article/billy-sunday-evangelist/।

9 University of Hong Kong, Honorary Graduates, "The Rt. Rev. Ronald Owen Hall": "Doctor of Divinity honoris causa" ("डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी honoris causa" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), 64th Congregation, 1965, https://www4.hku.hk/hongrads/citations/mc-ma-ronald-owen-hall-the-rt-rev-ronald-owen-hall।

10 Gabriel Sewell, "Graduation week, celebrating Honorands: Great thinkers and writers," University of St Andrews Special Collections: "St Andrews awarded Clive Staples Lewis an honorary Doctor of Divinity in June 1946" ("सेंट एंड्रयूज़ ने जून 1946 में क्लाइव स्टेपल्स लुईस को मानद डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी की उपाधि प्रदान की" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://university-collections.wp.st-andrews.ac.uk/?p=11658।

11 "A.W. Tozer & Wheaton College," Wheaton College Special Collections, 27 फ़रवरी 2012: "Wheaton College honored Tozer with an honorary doctorate (LLD) in 1950" ("व्हीटन कॉलेज ने 1950 में टोज़र को मानद डॉक्टरेट (LLD) से सम्मानित किया" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित); "Houghton College bestowed the honorary LLD two years later" ("दो वर्ष बाद हॉटन कॉलेज ने मानद LLD प्रदान की" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), https://lib-scblog3.wheaton.edu/?p=5051।

12 University of Hong Kong, Honorary Graduates, "The Reverend Mother Teresa": "Doctor of Social Sciences honoris causa" ("डॉक्टर ऑफ़ सोशल साइंसेज़ honoris causa" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित), 146th Congregation, 1993, https://www4.hku.hk/hongrads/graduates/m-c-o-m-o-b-e-hon-d-d-hon-dr-med-mary-bojaxhiu-teresa-the-reverend-mother-teresa। साथ ही: Duke of Edinburgh Is Installed as Chancellor of the University, Anglia Television, 1977, East Anglian Film Archive, cat. 207990, जिसमें उन्हें "receiving an honorary degree from the Duke that day" ("उस दिन ड्यूक से मानद उपाधि प्राप्त करते हुए" – अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दिखाया गया है, https://eafa.org.uk/work/?id=894726।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।